an>

Title: Regarding developing Haldi Ghati as a tourist attraction.

श्री हरिओम सिंह राठौड़ (राजसमन्द) : महोदया, आपने मुझे बोलने का अवसर दिया, इसके लिए मैं आपका धन्यवाद देता हूं। राजस्थान के मेवाड़ क्षेत्र में स्थित विश्वविख्यात युद्ध क्षेत्र हल्दीघाटी के विकास के संदर्भ में मैं अपनी बात आपके माध्यम से सरकार से निवेदन करने के लिए खड़ा हुआ हूँ।

प्रातः स्मर्णीय महाराणा प्रताप व अकबर की सेनाओं के मध्य लड़ा गया हल्दीघाटी का यह युद्ध, राष्ट्र का प्रथम स्वतंत्रता संग्राम माना जाता है, जहां विदेशी ताकतों की प्रभुसत्ता अस्वीकार कर दी गई थी। महाराणा प्रताप ने सारी विपरीत परिस्थितियों के बावजूद भी स्वतंत्रता से कोई समझौता नहीं किया। अपने सीमित साधनों के बावजूद भी अकबर की विशाल सेना को लोहे के चने चबवाये थे। विश्व भर में जहाँ-जहाँ भी ऐसे युद्ध स्थान हैं, वे स्थान उन राष्ट्रों के गौरव के केन्द्र हैं। हल्दीघाटी स्वतंत्रता संग्राम भी हमारे राष्ट्र का गौरव का विषय है। इस युद्ध क्षेत्र का एक विस्तृत प्लान बनाकर उसका विकास किया जाता है तो राष्ट्र गौरव के साथ-साथ बहुत बड़ी संख्या में देशी और विदेशी पर्यटकों को वहाँ आकर्षित किया जा सकता है। ऐतिहासिक स्थानों के संरक्षण के साथ-साथ स्थानीय लोगों को नए रोजगार के साधन उपलब्ध कराए जा सकेंगे। बहुत-बहुत धन्यवाद।

माननीय अध्यक्ष : श्री सुमेधानन्द सरस्वती, डॉ. किरिट पी. सोलंकी, कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल और श्री भैरों प्रसाद मिश्र को श्री हरिओम सिंह राठौड़ द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।